सिलोआम का तालाब… प्रभु यीशु ने कहा:

“यदि कोई प्यासा है, तो वह मेरे पास आए और पीए; और जो चाहे, वह जीवन के जल को बिना मूल्य ले ले।”
(यूहन्ना 7:37, प्रकाशितवाक्य 22:17)

शालोम!
आइए, हम परमेश्वर के वचन – बाइबल – से सीखें, जो हमारे पाँव के लिए दीपक और हमारे मार्ग के लिए ज्योति है।

यूहन्ना 9:6-7

“यह बातें कहने के बाद, उसने भूमि पर थूका, और अपने थूक से कीचड़ बनाया, और उसे उस अंधे के नेत्रों पर लगाया,
और उससे कहा, ‘जा, सिलोआम के तालाब में जाकर धो ले’ (जिसका
अर्थ है, भेजा हुआ)। तब वह गया, और धोकर देखने लगा।”

प्रभु यीशु उस अंधे व्यक्ति को बिना भेजे भी चंगा कर सकते थे, परंतु उन्होंने उसे सिलोआम के तालाब में जाने के लिए कहा। यहाँ

‘तालाब’ का अर्थ किसी चाय के बर्तन या गर्म पानी के पात्र से नहीं, बल्कि एक विशेष उद्देश्य से बनाया गया जलाशय था—जैसे आज हम “स्विमिंग पूल” कहते हैं।

पुराने नियम के दिनों में यरूशलेम में ऐसा एक तालाब था, जिसे इस्राएल के राजा हिजकिय्याह ने बनवाया था (देखें 2 राजा 20:20)। बाद में बाबेल के राजा नबूकदनेस्सर ने उसे नष्ट कर दिया, परंतु नहेम्याह ने उसे फिर से बनवाया। यीशु के समय तक वह तालाब अस्तित्व में था, और बाद में हेरोदेस ने उसका नवीनीकरण किया।

यूहन्ना 7:37-39

“और पर्व के अंतिम, महान दिन यीशु खड़े होकर पुकारने लगे,
‘यदि कोई प्यासा है, तो वह मेरे पास आए और पीए।
जो मुझ पर विश्वास करता है, जैसा कि पवित्रशास्त्र में लिखा
है, उसके भीतर से जीवन के जल की नदियाँ बहेंगी।’
उन्होंने यह बात उस आत्मा के विषय में कही, जिसे वे लोग
प्राप्त करने वाले थे, जो उन पर विश्वास करेंगे; क्योंकि
आत्मा अभी तक नहीं दिया गया था, क्योंकि यीशु अभी महिमा नहीं पाए थे।”

कहीं और भी, यीशु ने जीवित जल के विषय में सिखाया — जब उन्होंने

सामरी स्त्री से कुएँ पर बात की:

यूहन्ना 4:6-16

“…यीशु यात्रा से थककर उस कुएँ के पास बैठ गए। और एक सामरी स्त्री पानी भरने आई। यीशु ने उससे कहा, ‘मुझे पानी पिला।’
वह बोली, ‘तू यहूदी होकर मुझसे, जो सामरी स्त्री हूँ, पानी
कैसे माँगता है?’
यीशु ने उत्तर दिया, ‘यदि तू परमेश्वर के वरदान को जानती और
यह भी जानती कि तुझसे कौन कहता है “मुझे पानी पिला,” तो तू
स्वयं उससे माँगती, और वह तुझे जीवित जल देता।’

… “जो कोई इस पानी को पीएगा, वह फिर प्यासा होगा, परंतु जो कोई उस पानी को पीएगा जो मैं उसे दूँगा, वह सदा के लिए प्यासा न होगा; बल्कि जो पानी मैं दूँगा, वह उसके भीतर एक सोता बन जाएगा, जो अनंत जीवन के लिए उमड़ता रहेगा।”

क्या तुमने वह जीवित जल पाया है?
पवित्र आत्मा ही वह जल है जो पाप, व्यभिचार, लोभ, चोरी और हर प्रकार की अशुद्धता की प्यास बुझाता है। और यह जल बिना मूल्य मिलता है!

प्रभु यीशु ने कहा:

प्रकाशितवाक्य 21:6 – “यह हो गया। मैं अल्फा और ओमेगा हूँ, आदि और अंत हूँ। मैं प्यासे को जीवन के जल का सोता बिना
मूल्य दूँगा।”

प्रकाशितवाक्य 22:17 –

“और आत्मा और दुल्हन कहते हैं, ‘आ!’ और जो सुनता है, वह भी कहे,
‘आ!’ और जो प्यासा है, वह आए; और जो चाहे, वह जीवन का जल बिना मूल्य ले।”

तुमने शायद कई बार यह संदेश सुना होगा, परंतु यदि तुम आज इन जलों को तुच्छ जानोगे, तो उस दिन आग की झील में इन्हीं जलों की लालसा करोगे, पर वे नहीं मिलेंगे—जैसे धनी व्यक्ति ने लाजर से कहा था कि वह अपनी उँगली का सिरा पानी में डुबोकर उसकी जीभ को ठंडक दे, पर उसे न मिला।

इसलिए, “अभिषेक का पानी” या “तालाबों का पानी” ढूँढने की नहीं,

जीवन के जल की खोज करो!
प्रभु हमें इस जल से भर दे ताकि हम अनंत जीवन पाएँ।

हम अपने प्रभु यीशु मसीह का धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने हमें यह जल दिया—जीवित जल, जो अनंत जीवन देता है!

मरानाथा — प्रभु आ रहे हैं!

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp